

॥ कैव।

॥ १॥

॥ र्केनमः॥ श्रीमतश्रीकरुणासागरमाहाप  
जके कैवलयीलासगंथपारमः॥ उमंगछंदः॥  
सुनीतत्वकेष्टीलोमम्बंस्येष्टंतसक्रम  
मवस्तासमेत॥१॥ भोमीवीभागकुहंषंकके  
संच॥ उष्मसरीरसोत्तेजतपत॥२॥ अहतधंस  
जिवायुजेष्टेष्टड॥ नीशशरीरघृटतप्त्येत॥३॥  
रेमकेष्टेष्टसोम्योमकहावता॥ हावतभोमी  
मेभागसंकेत॥४॥ तेजमेतोइतपेष्टप्त्येत  
कटसरीरम्बंसुजोकरत॥५॥ होलतवेनसोव  
युवीसेसंन॥ कुवेरसुन्यसुर्तिनकटातत॥६॥  
परीबोधमोशयकंद॥७॥ भोमीतेजभागकहेउ  
दरम्पंकररहे॥ चतुर्खतुरएकगुमेसंजुक्त  
हे॥ लहेकोहुसंतजंनजाकेतीरमलमंन॥ संत  
रम्पवीयोकंनबुधीकेधीरकहे॥८॥ अवनीभ  
मलस्वासामहीकेलगतगत॥९॥ दशम्पंगुल  
जाकेरंगसोयीलकहे॥१०॥ अगतीम्पमलभ  
लेम्पंगुलचतुर्खले॥ पावेसोमीचेनपलबर  
नसोरकहे॥११॥ तीसणम्पगत्यमीष॥ महीकी  
कहतपुनी॥ दगतसवादसाधजोकषुभुल  
हे॥१२॥ धीरजम्पवत्यमंनम्पगतीम्पकलपत्य  
याहीकेलुभावगत्यसाधंतमोलकहे॥१३॥ लग

तमातरगंधरूपहीस्वरूपउपा॥कुवेरपरमा  
त्माताहीत्येवीरक्तहै॥३॥उमंगछंद॥४ भोमी  
वीभागलघुपदमीचता॥वोलतदृष्टीघ्रतेज  
सुष्टु॥१॥तोईमेतेजरहेसोसुनोगस्य॥अंमीआं  
सुखालखागतउष्टु॥२॥वायुरहोरसनारस  
ग्राहत॥हेम्पयमेम्पवनीकफज्जुष्टु॥३॥तत्त्वस  
मासकरेतेमाटेसुंस्य॥एहतम्पमीतस्थानही  
कष्ट॥४॥वायुमेव्योमरहेसुखलागत॥पीवत  
नीरसोतेजनीत्रष्टु॥५॥सोसततेजतातेक  
हाल्पय॥कुवेरसामरुपटसोस्तुष्टु॥६॥परी  
विधमोशब्दकंदउ॥मारुतम्पकेचीनभेदजा  
केभीनभीनसुनीयोसकलजंतस्योमपवत  
वहु॥७॥सुनवासमीरहीरश्रोतामंतकरोधी  
रा॥वीधीसेबांनीम्पनीरसस्यसेषावहु॥८॥  
षोडशआंगलजलचलतम्पादंमसंम॥स्वात  
कवरनस्वादमधुसेजनावहु॥९॥मन्त्रजंपाम्पा  
गुलम्पष्टचलतपवंतपृष्टु॥हरीयाबरनस्त्राद  
चर्पशलगावहु॥१०॥चपलसभावचाहावकर  
तपवंनधाव॥मपकेम्पमीतरीतमीतलस  
हावहु॥११॥यगतमातरासपरस्त्रहीपवंततंत  
म्पकीरसीकरस्त्रहीरचावहु॥१२॥तत्त्व

॥कैवल

॥२॥

नीचतुर्तुरत्तुरचुरकहीयेचीना।तार्तिना  
त्माभीनक्वेररहावहु॥७॥उमंगछंदः॥४॥  
चारपदारथकेकतसुरभि॥इर्लभिव्योमवी  
भागल्हेकीई॥बोलतताडकरेसोकहेत  
जा॥वचेनवीमांसधीमेन्मपहोई॥८॥शब्दवी  
भागकरेसोकहीयेमही॥वायुत्येवेग्येसुन्ते  
सर्वकीई॥एवंचसुतकहोहीरणगभ।ओ  
हंगन्मंशमनुसुतप्रोई॥९॥षष्ठावरजंगमवीश  
चराचर।सोहंगबंससबेघटसोई॥१०॥काश  
सात्रकुवेरकेहेवाईत॥गावुतआपुनीतही  
कोई॥११॥परीबोधमोशालकंदा॥१२॥सुन्त्यकेस  
मासम्पासकरतपकास्यहास॥मंतरउजा  
सज्जेयेनीगमनीकृपहो॥१३॥आंगुष्ठमाकाश  
म्बढीसुखमणाच्छेष्टी॥फीकेजाकिस्वादप  
डीसंमहीस्त्रकृपहो॥१४॥मातशशबद्जाकीउ  
दास्तनावताकी॥उठतनम्बवीलाषीधांन  
सतगुपहो॥१५॥पंचनीचलतचालस्यासामेह  
लक्ष्मालादीसतखलकप्यालचेतनमकृप  
हो॥१६॥तीरस्यीसमीरस्वरसुनरचलेप्रसर  
मध्येसोचत्तदधरुम्भगनीसोउपहो॥१७॥नी  
चेकुचलतनासम्भवीरत्नमतीधार॥पंडके

हीषकादज्ञानीकुञ्जनुपहे॥४॥ज्ञानवक्रमईंडी  
मीलीषक्रतीसुहलीचुलीकुवेरम्भातमास  
नीषकासीम्भनुपहे॥५॥उमंगछंटः॥ दृएये  
इकेमंचदत्त्वप्रतालीका॥रालीकामेदलहेबं  
हूविता॥६॥माहाभूतकेपंचीक्रणकहुम्भब  
सांभलीसंतथ्यर्णनेसचेता॥७॥ओमीमेहेजर  
हेसंमस्योम्भप॥ओमद्वनीदेउनीश्योसाता  
उ॥स्वासउस्वासभीमीमेवायुदंस॥उरधव  
तीदृक्षनेम्भपयाता॥८॥मारधर्वीचतवायु  
सर्वतांसुल॥उलतनीश्यसमीर्वोडाता॥९॥  
कहतकुवेरम्भतेरेम्भपंचीरायावीधीओमी  
वीभागरहाता॥१०॥परीबोधमोशलकंद॥१॥  
पंडकेपंचीकरणवीभागवंडवरुणघताप  
गुरुचरणचीतिताकुमोह्यहे॥१॥येसेमाहा  
उत्तम्भयम्भोम्भंत्यम्भनुसुलपंडकेषतह  
दशयाकेतोपरोह्यहे॥१२॥कहतम्भवनीमाहा  
तत्वनीस्वासानीसत्त्वस्यपतकरोडलसपे  
चास्यकोसस्यहे॥१३॥मधर्वतवायुम्भवनी  
प्रसतनांही॥वहतबंडमांहीभीमीकेसास  
स्यहे॥१४॥स्वादजाईकोमीदूलगतताईको  
स्यस्यमाहररहतगंधईडकेजहांतास्यहे॥१५॥

कैवल धीरजपटभोमीम्बचलचलतनांही॥८॥  
सोतार्झकीबीजउगतपीलोसहे॥९॥  
म्रतीन्प्रकंधम्भंतसक्रणसुध्य। कुवेरन्प्रधा  
द्वयताईक्यश्चहे॥१॥ उमंगछेदः॥ नाव  
झीमेवाईरहेनीस्यासुग। हारतवस्तउरतबो  
रेग॥२॥ सीननीआयन्मनंतम्रतीजीव। माह  
लतमज्ज्ञाकाशम्भंगा॥३॥ जांमतलवणमे  
तीछुफस्सोमही। हेसहीजोकहीभीमीविभा  
गा॥४॥ अलकस्ततोईरहतम्रहोनीस। काट  
तसेलस्सोतेजउतंग॥५॥ रहतवायुतेनसेज्जा  
ल चालत॥६॥ लतम्बोमवीधातंनभंग॥७॥  
कुवेरभोमीलघुईधयावत॥ज्ञावतकाएत॥  
क्रस्मीम्भंग॥८॥ परीबोधमोगलकंद॥९॥ जे  
सिथलवीधीगाईतेसेहीजलकीसही॥ अलु  
भवसेजोलहीकहीसोउचारके॥१॥ कोटीदश  
क्राइस्वास्साचलतजलकीनासा॥ सुभावसी  
तलरहेस्सकलयसारके॥२॥ चलतभोमीग  
साईजेरकेलगतवाई॥ नियकेम्रमलस्वासा  
मंहीएम्बाकारके॥३॥ सवादमधुरोताईजेर  
केसास्तपाई॥ जोजीफलमेषरखाईयाईलेवी  
चारके॥४॥ मातराताईकुतेसेरहतरसलार

५

स लिगत स द्वा दत्ता को दुःखांड सुखा रक्ते॥  
रन स पेत स द्वा सा मा ही के अप के बीत॥ प्राव  
न्म रुप रुप धरत वीका रके॥ धरत त्वनी जुगल  
क ही स्वा सा नी स मा स ल ही॥ कुवेर स गेता  
को उ स म जे स का रके॥ ३॥ उ मंग छंदः ॥ १७॥

मा प ही श्वा प बुझा वत सीज ल॥ महात प मि ल  
य हे घं न नीर॥ १॥ वा यु मि व्यो मवी से स ग्रा हा  
तं न॥ अचल चल दे सो अवनी ब्लं कु ग॥ २॥  
वं ने सु का तता ति ते क हो ते ज॥ धां मर्म देवा यु  
से अप हीर॥ ३॥ सुं न्य स न्ये ही ते ही तत्त्व सु सम  
ख से प सर हे ज्यों सं कीर॥ ४॥ मल तां त संग  
से मये म सरी र स॥ हे अं स अतु ची त सुं न्य स  
हीर॥ ५॥ कहत कुवेर वी साल वी लो कं न॥ सी  
ज न ल हत बुझी महागंभीर द॥ परी बोध मोर  
य कं द ॥ ६॥ अग नी वा यु की व्यक्त रुप जा के ली  
ल रक्त॥ ता ई किं ची न ला स क कहत जीर हा  
यु हे॥ ७॥ पुनाती न क्रोड को स चुल त अग न्ये  
स्वा सा॥ स्याढी पंच क्रोड को स य वं न वहाये  
हे॥ ८॥ उरध अग न्य तं न॥ तीर सी चल ये य वं न  
स्वा द जा के तीक्ष्ण न चर्प रिल गा ये हे॥ ९॥ मातर  
जा ही की रुप स य र स ही अनु प॥ खट र खट मा

॥कैव॥ ससीतउल्जोकहायेहे॥४॥ चतुरधुपष्ठक  
सदृष्टिकालकेदोमास॥५॥ वृटएमातरातेज  
बृधीकेजनायेहे॥६॥ रहेसोसीतकेषटपुस  
पवनतीकटमातरासुवटन्नधीकल  
खायेहे॥७॥ रहतमातराबन्धोतपोतभ  
त्योन्मन्यु॥ कुवेरवीसेकविसेसोत्तोमेदेवा  
येहे॥८॥ उमंगछंद॥९॥ सुन्यसमीरहेसा  
सीवतजोलतवाईयिंवेजेष्ठकासी॥१॥ तिजपु  
कासरहेव्योमव्यापक॥२॥ ऊँकवांजयकउल  
सेउपासी॥३॥ जोमतलोस्यकईयेसुन्यमं  
अप॥ जादीतनीरमलहोतल्लाकासी॥४॥ घा  
वकशेगगंतेचुम्केमही॥ एकलहस्तताली  
नबजासी॥५॥ पंडवेलांडपंचासनरणेकीज  
ज्योंबीजमिनीजबक्षसमासी॥६॥ सर्वज्ञाजां  
नरसंनवलोवीत॥ कुवेरबंसनीशालोनीर  
सी॥७॥ पर्णीबोधमोगयकेदा॥८॥ ममरम्भ  
ततुतग्राहकनईतउत॥ सुक्ष्मतत्त्वसंजुक्तवा  
इलावीलोकही॥९॥ ताईकेअमलस्वासाकी  
डाकोशरवपंचासा॥ सुक्ष्मरामवीकासाल  
गेतायलकही॥१॥ महासुन्यस्वासासमीरच  
लतद्वीधीरधीर॥२॥ गगनसध्यमनीरजानेन

खलकही॥३॥ मस्यको सबादताको सुभरग  
वंनजाको॥ पंगसो सांसाको वाको देखो अवी  
यो कही॥ ४॥ घंतसो रसना वत गगंतगी इ  
ग्रजत सातरासबद रही गहे नहो करणी कही  
५॥ सुन्त्यके सभाव सुन्त्य अहो नीसर हे सुन्त्य  
ढंडो लेउ गत धुन्यकारण क्रतकही॥ ६॥ कार  
जपं दास्युलकारण बंसां दयुल॥ कुवै रजुगल  
सुलधकतीयो खस्तही॥ ७॥ उमंग छंदः॥ १४  
यंचही कोशवक्से तंतके भगमो अघै भीग  
गही देह रसालो॥ ८॥ भोमी को भोग अनोमि  
नंत्यो अन्त्य॥ तेजको भोग मनोमि मेलालो  
९॥ तोई को तान्त्रानंद अमालं बंन॥ चुबन  
ओमवी झांन वीलालो॥ ३॥ मारुतकी यत यी  
स अतीयाण॥ एयं च भोग उभै यं दपालो॥ ४॥  
भोग के यंग सबद सपरस् कयर सपुत्री गं  
धनी हालो॥ ५॥ तोई कुग्राह कपाण एय पंचकम  
कुवै र बंसता ई येनी शालो॥ ६॥ परी वंधमेर  
लकंदः॥ १५॥ परयी अपतेज वाई पंच सुन्त्य  
सीहाई॥ सुस्प्रथुलकहाई पंडनी बंसां दलो॥  
७॥ कहत ताई के वीले भोग वत मसरी से॥ जु  
गलजुगलई डीत तव सरहे मीलो॥ ८॥ परयमीमी

॥कैव॥

॥५॥

ईदीदेहा कारजकारणसोऊ॥ कारणना  
सीकावासुदासोकारजल्ये॥३॥ तेसेजता  
कीजुगतरसनाउपस्तमीत्या कारजउप  
स्तवस्तकारणरसनाल्ये॥४॥ तेजकीने  
तरपा इदेख्बतचलेभनाइ॥ अंत्योन्मन्यरहे  
समाइफरतमलकल्ये॥५॥ मारुतकीतु  
चाहस्तरवरासज्जहांखनस्त॥ मगनवह  
तमस्तम्ररसुपरसल्ये॥६॥ योमकीम्बव  
एमुखयाबोलेयासुनेसुष॥ कुवेरबुद्धांडर  
रवयाहीकेज्ञाकारल्ये॥७॥ उमंगछंद॥७॥  
हेज्युहकात्युहबुद्धचीदानंदमानंदकंदम  
नुपीमरवे॥८॥ एकमनेकम्रमधीरुपेमत  
केहेसतशाम्बनंतमुख्वे॥९॥ ज्ञानीन  
केचीतमेरत्यलागत॥ लांतीनकेज्ञानरह  
तये॥३॥ नाईतकेउतहीपुतीम्बावतजाव  
तनहीउतईतपर्ये॥४॥ यादीधीठैतभयोसी  
वनोज्ञावा खेलतखांसेभरायीखरख्वे॥५॥  
एसर्वहृष्टपदारथकेक्रतकुवेरकोउनम्ब  
हृष्टखर्ख्वे॥६॥ पर्यवोधमोगसकंद॥२॥ गीश्व  
सकलवीलापद्मकोकरतथाप॥ अलंब  
नमंनमापमायकनांचीनही॥३॥ उल्येहमा

पकेम्प्राप्तपतकुहुकोजाया॥ताहीस्तपतता  
पत्रधानीसदीनही॥५॥लहर्योत्थीचारनीज  
महोममकुंनबीज॥धावतकुलकीर्णकोहु  
तास्माधीतही॥६॥येसोनकीयोस्मापसीरहे  
तयुन्यपाप॥सुगतेम्रतीम्रदापजायेभयेजी  
नही॥७॥बैलमेसकलवासकीयोनताकोम्र  
भ्यासा॥जलमेमरतष्यासचीनेबीनामीन  
ही॥८॥येसेहीवीश्ववीचीबैलमसकेम्प्रभीम  
हीसेसोगुलकेतंत्रम्भोसकेम्प्रकीनही॥९॥  
जीकोउबीचारजंतउलटतयासेतंन कुवेल  
हीसेम्प्रान्यसुध्यसनातंतही॥१०॥उमंगछंदा॥१  
॥इष्टपदारथहेम्रवनीम्रप॥योमवायुतपते  
जतनां॥१॥सुक्षमयुलकारणमाहाकारण  
ज्हालगीगोचरङ्गांनमनां॥२॥जाग्रतसुप्रस  
सोपतफोरत॥हितसदेनुरीयामांफनां॥३॥  
म्रतसक्तराम्रवस्ताउपासीक॥वासीकनां  
होन्नंसईटजीनां॥४॥जाग्रतमेमंतहेसुप्रमे  
बुध्य॥सहतम्रहेकारससोसीयनां॥५॥तीनु  
केसाक्षीतुरीचीतनीकलतिमलरहीतकुवे  
र्चेतनां॥६॥परीबोधमोशदकंद॥७॥सु  
लसोपगटपंडम्भोरहायकीजीमंड॥सुस्म

॥केव॥ वासनाल्यीगचंगमोग्रहस्तहे॥१॥ कारण  
सोगुतदेहतामेनकषुसंदैह॥ सुस्मयुलके  
सुलयाहीत्येषोरवस्तहे॥२॥ महाकारणदहसी  
तोषक्रतीसलेहजेह॥ सकलल्यीगांतीयांनी  
यापकरहस्तहे॥३॥ तमोसेजुतांनीपंचमात  
रासहीतसंच॥ रजोसेर्इदीकहंचेवज्ञानह  
स्तहे॥४॥ अंतस्करुणाचालवीसुसुचेतनसा  
रु॥ मनोरुठेष्याकज्ञानेवीस्माकस्तहे॥५॥  
प्रक्रतीसेगुनतीलुवीरवनुकरेष्ममीनु॥ स  
कलकारणज्ञीनु॥ तातेन्यारीबुस्तहे॥६॥ आत  
मास्मादीतवतबीबप्रक्रतीग्रहस्त॥ अन्योऽन्त  
चेतनसोकुवेरकरस्तहे॥७॥ उसंगछंद॥८॥  
जागतमांहीससोगीवीसरज्ञेन वयावीच  
एसोसुप्रकहा॥९॥ लीनवीचारवीलेष्क्रती  
संस॥ देसपरधानतुरीवालया॥१०॥ सुप्रमेजा  
गतसोसर्वभासता॥ अंधादंधसोससोस्मीसो  
हा॥११॥ देहञ्जनुमांतसुलेसोतुरीपदनांकषु  
मेशनेतेशरहा॥१२॥ कहतससोगीमेहेषुनी  
सुप्रकीभ्रमपपदारथदसवीला॥१३॥ ताई  
मेजागतकहतकुवेरस्यु॥ सुवततीदउष्टुव  
द्याई॥१४॥ परीब्रोधमोरालकंदः॥१५॥ उनीयो

अवस्तामेदकहुमेताकेकल्पेद। अंतररहेभु  
 मेदभिदसोगुदधहे॥१॥ जाग्रत्मेजाग्रत्सो  
 हीसतसकलवीधीनीधीसोकषुनष्टीनी  
 जाकीसुधीबुध्यहे॥२॥ सुपत्नामेसुपत्नसोफो  
 रतदेव्योनकाइ॥ नीदशत्मोभवुनवुजाग्र  
 तस्मसुध्यहे॥३॥ कहतससोहीमेरहतससो  
 पतीजेसे॥ सुजोनपरतत्त्वेयेयेमेधाहंध  
 हे। ध। अंतसकरणजाकेरहतउपकरण।  
 आम्येजोकहेबरणसमझसुध्यहे॥४॥ आ  
 धीटोनकहुंताके। अंतसकरणजाके। कार  
 णसेवकसामासुरजेसानीध्यहे॥५॥ मंतके  
 चंदरदेवबुधीचीतञ्जनवा। सु। अहंकारके  
 रुडेवकुवैरवीरव्याधहे॥६॥ उसंगछंदः॥२२  
 अहंक्रतीग्रयीग्येसोतुरीपद। हेयदहार  
 दससोहीकोवाइ॥७॥ तीतुअवस्तातुरीमेसो  
 कुरवत। सोसतमरमकहतसुनाइ॥८॥ जा  
 ग्रतघोरनासाबीनीबाजत। सुप्रसरीरभी  
 वुमरोडाइ॥९॥ स्वासउस्वासससोहीजांगो  
 सत। अनुसुतमेददीयोहेदेय॥१०॥ येसेही  
 अंतसकरण। अंत्योन्यसुसमभेदलहेवी  
 इलाइ॥ पावारीयसंहितध्यसावार्चहीत

केव॥

॥७॥

कुवेरबेस्तपराकेपराई॥परीबोधमोशल  
केंद्र॥१३॥सामयेजोन्मवस्तातीनज्जेज्जाकेसुर  
सांस्मीत॥चितंनसोनीसदीनकरेसोकही  
ममां॥१॥न्महंकरतीगंथीगलेसोतुरीससो  
पतीकी॥पीछलेउमंगछंदन्नधुरीहुतीज्ञामां  
रा।उरीयाचतुरताकीकेहेकोहोमतगती  
उकुगयंमलक्ष्यजाकेउरसोजांतेग्यमां॥१४॥उ  
रीयामेतुरीयासोन्मसमीन्महंगम्माप॥चितं  
न्मजंपाजापसरीरसबेस्मां॥ध॥न्मतस  
करणयेसेएकुएकुमांहीतिनु॥रहतम्प्राधी  
नजांहांजोकीजाकेन्मागमां॥५॥षथंमहीमं  
नम्मागुमांन्यरेहेताकेसोहाण॥बुधीनेचीत  
तेन्मागुत्रतीयोरहेतमां॥६॥सुक्षममेसुक्षम  
हेस्तमेन्मरुफल्लती॥कुवेरम्मातमायेसोवा  
लसोखवेकंमां॥७॥उमंगछंद॥रसोदेदक  
तिवकुरांनपुरांन॥नीगंमनगंमनगंमवषां  
ने॥८॥सुरतीसमरतीउचरतीमहोनीस  
गावतगुनगुनीवान्मयांते॥९॥सांष्टवेदांतमी  
मांसापातांजली॥सायवीसीसोवेसलोभां  
ल्य॥१॥राजससत्वयक्रतीतसोगुन॥कारेन  
केक्रतहीसतमांते॥१०॥मेषमनेकरचेषटद

रसेन॥ प्राप्तमच्यारवैवारद्वीभांने॥५॥ कहु  
तकुवेरघनेरेमतंतर। बुद्ध्यस्तंतरकाहुनजा  
नि॥६॥ यरीबोधमोशलकंदः॥ २५॥ बुद्ध्यहीकेज  
नेबीनायारनपावतकीउ। बुद्ध्यहीकेजानेबैन  
मेसेनदहतुहे॥७॥ बुद्ध्यहीकेजानेबीनागत  
नांहदेगिथ्ये॥ सारनम्नसारकषुजांत्योनपर  
तुहे॥८॥ गंथनीमनेकमतउतईतजीततीत  
पटदरसंनखटपटहीकरतुहे॥९॥ सुनतसुनू  
मन्तीभीतभीतहोतमर्त॥ कोईकेहेकाउको  
ईकाउकुकहतुहे॥१०॥ ताईतेसुलतजीवपरतवी  
धांतीभाती॥ पंथनीनीसंषुचीतचुलीनसक  
तुहे॥११॥ लहेबीनुनीजगतीरहतनांईडीजीती  
वीकलवीलाप्तायमंनहीभमनुहैष॥ बुटत  
भरमसबस्तगुरुमीलेजब। म्नांल्यनांउपायु  
कुछुकुवेरकहतुहे॥१२॥ उमंगछदः॥ २६॥ काउ  
कोचीतलगयोसकतीसुर। काउकोचीतवीरे  
चीविहार॥१३॥ काउतकेचीतवीक्षुमाशधंन  
कोइकोचीतसीवापुतीयान॥१४॥ एचुहर्षष्टु  
पासनाम्भष्टमे॥ कोउदसुम्भवतारम्भाधार॥१५॥  
जेसेवरद्वांनवतेम्भवनीसवीनीरनीधीसुली  
योहेलगार॥१६॥ वार्षिम्पयारनांयारपयोधीर॥

कैव

॥८॥

न वाणी रघु माणी युक्ता रा ॥५॥ ते से कुवेर कैवल  
य योधी ये ॥ वीश्वद्वयां लान वाणी अवतार दृ ॥६॥  
री बोधमोशलकंदः ॥ २७॥ बुधी केमायस अ  
सगा वतर सना रस ॥ कवी जंत हुनी सोती ईह  
के उपासी हे ॥७॥ ईष्ट के उपासी सोती पंडायं चुम्ह हे  
ती भाती ॥ तत्त्व के वीक्षा ती सोती पंडायं चुम्ह हे  
॥८॥ पंडाके वीला सकीट बुलाके पञ्चंत अंत ॥९॥  
वर्जंग मच्चर चर लुना सुत हे ॥१०॥ सुरती दर  
सचीत वंन मंन जौ ल्यो तंन ॥ काल ही मारुत  
आग ये अक के अकुत हे ॥११॥ बुलांडर की सर्व  
सनां मकुप गुंत वीसि ॥ नां मकुप गुन सोतो पु  
करी के पुत हे ॥१२॥ उक्रती पुर सलक्ष देखत हे  
त पस ॥ द्वैत नी आस्तां गत सो विद्ही कहतु हे  
॥१३॥ पंडही बुलांडर्ड भासत ही खंडर खंडर कुप  
र अद्वैत व्याप सोतो अनुसुत हे ॥१४॥ उमंग छंड  
॥१५॥ नुलर हे ईत के ईत ही सरव ॥ नाउत की  
के नेबात पैचांनी ॥१६॥ जेजीन के मत की गति ग  
नत ॥ वाघर की कोउन कहत नी सांनी ॥१७॥ जां  
नी मुनी सुनी कहत सरवे सत ॥ वाक्रण वदी  
त पंडीत युरांनी ॥१८॥ साधन सीध सरचक की  
रस ॥ दिहद मेर्दी मनि उत मांनी ॥१९॥ रस वपि च

पवाडापटंतरा। जंतरजंतवंधेष्मभीमांनी॥५॥  
लोकचतुरदशहेमांनकेवश। कुवेरबुलसोते  
हेष्मभीमांनी॥६॥ पर्युवेधमोगलकंदः॥ २६॥ अ  
मांनीष्मवक्तव्यक्तसकलजाहाकीसक्तया  
तकषुनलक्तनीराकारनीजहे॥७॥ जेसेहीष्म  
मरस्वरमीलीनेउचारकरा। सबनीष्मनेकलु  
त्यबोलतमहीजहे॥८॥ तभतेनदांमानादफु  
कनगहनसाद। रहीतबोधनबाधमधरस्मभी  
जहे॥९॥ तेसेहीनीमतवतव्येमनेवाजंत्रगत  
चर्दितंतमायातीलस्यमहदतात्यारीजहे॥१०॥ महद  
तामाहाजन्मजस्तकयुकह्यांनीवांनी। श्रुतीनांल  
यांनीज्ञानीनयेतीकहीजहे॥११॥ ज्ञसवन्मर्ती  
तमतम्भनुभवीज्ञानीगत्य। सोहीतोवीचलासे  
तबुलकुज्ञानीजहे॥१२॥ बुलतकुबरस्यायावी  
श्वसकुररा। कुवेरकेवलसोतोवाकोनीजबी  
जहे॥१३॥ उमंगछंद॥१४॥ व्यापकबुलन्हेःकमर्ती  
रालेबमालेबरहीतरमेतीरम्य॥१५॥ पांचपञ्ची  
सपुक्रतीतीनुगंत॥ चहीतंतसेषंतबुकुज्ञमे  
थ। ज्ञानमादीतउदेजीनकेघट। ताघटकेबुफञ्चे  
नसमें॥१६॥ खावतयीवतबोलतचालत। देश्व  
तहीयुनीदेहूसाम्ये। श्रान्मान्यसबेबुफकेबुफ

कैव।

॥५॥

हीघद ज्ञान स सुरत्येउरभस्यो॥धा॥त्याखुभा।  
न धीलासदीस्त्रेवंल॥बुटेनांहैतकुवेरकुर्म  
द्वा॥परीबोधमोगलकंद॥३१॥हैतनीपुयंमक  
हुंभेदपडनालीटीका॥सुनतस्त्रवणनीकाज्ञां  
नजाकेउरहे॥४॥प्रवीगत्यनीजतातेनभउत  
यंतभये॥नभतेमारुतउतपवंतम्भंकुरहे॥५॥  
पवंतपस्त्रवदा।वल्लगत्यउपजभर्ज॥प्रगत्यत्ये  
तीर्ज्ञीर्ज्ञीर्ज्ञीर्ज्ञीर्ज्ञीर्ज्ञीर्ज्ञीर्ज्ञीर्ज्ञीर्ज्ञी  
इस्तीतकीपसंगापार्ज॥नीपुनताज्ञार्ज्ञीर्ज्ञीर्ज्ञी  
नकरोरहे॥६॥जायेउतपंतम्भपसोर्ज्ञीर्ज्ञीर्ज्ञी  
लेजब।करनताज्ञार्ज्ञीर्ज्ञीर्ज्ञीर्ज्ञीरहोरहे॥७॥  
दष्टातसमज्यरेकुधीचीतवंतकरे॥तार्ज्ञीर्ज्ञी  
धांतसरेल्लांत्यमतीभुरहे॥८॥लहृतसमज्यसं  
तजांनेनजगतजंत॥कुवेरकहुतमींतजांने  
जाकेहुरहे॥९॥उमंगछंदः॥३२॥याहीकुज्जी  
वकहेसबहीर्ज्ञीतकोतीतबुंलम्भस्यो॥१॥  
जांमरासक्षुटेजयकीजबवारीदीचारतांबु  
फकसो॥२॥जंतजमेष्टकतीबुंलकेमपदेश्वी  
देहासकन्सास्त्रभसो॥३॥सुध्यवीचारवीलेष  
कतीसीतवसुवीलोकतांजीविनसो॥४॥हेस  
तवस्तउदेज्ञानांलस्तवेसम्भस्तम्भमेउत्सो॥५॥

दीमहृषीउत्कटभयोहस्या। बुद्धचौबेरकुवैरह  
 स्त्रो॥६॥ परीबोधमोशलकंद॥ इआताईर्येआसं  
 स्मातज्ज्यपंडानीबुद्धांदुरजजडचैहीतंतश्रुद्व  
 सतसफुरीहे॥७॥ तेसेहीभीमीकेसंडद्वारमेची  
 तरचुंडाकंचतसुषतभीतभासतमंकुरीहे॥८॥  
 अपकेउषंगसंगतोरंगबोरंगारंग॥ भावीमेभी  
 तंगमंगमंस्येतीरनुरीहे॥९॥ मसरीमीगईक  
 शीनांमरुपजुदांधरी॥ वीवीधीपुकारसारजी  
 तांमेचेनुरीहे॥१०॥ तेसेहीयंडबुद्लांडरसीकर  
 चेपुचुंडा। भवाटीबुद्लानीमंडसचेतसंमयुरीहे  
 प॥ सचेतसचीवसीवईडीतेमंवीलंबनजीव  
 मायामाधीनसदैवमोस्कुकेहेडरीहे॥११॥  
 अझांनमगत्यरेगतेननीमतंतभासा। कुवे  
 लमोदवदीजाकीगुरुगयंमसुरीहे॥१२॥ उमंगठं  
 दः॥१३॥ नहिसनारसनागुंतगावत॥ सोहाव  
 तहेपदयुजमयंग॥१४॥ अपहीमापमनेतउरे  
 मत॥ धंत्यनमामीजयेतीजयंग॥१५॥ अपहमाव  
 कल्परुपीम्बवांसक॥ तांत्यकयंडपतंगभयंग  
 ॥१६॥ रहतमाभीत्रचरीत्रन्हांनावीधी। बोलतही  
 सतशब्दसोहंग॥१७॥ द्व्यालकस्वेलउकेलसंके  
 लत॥ हेजुहंकोनीजमंशमयंग॥१८॥ वस्त्रवीलप

॥कैवल

वाचालभयोवीधीस्विनीधीप्रथकुवेरकहंग  
दि॥परीबोधमोरतकंटः॥ ॥३५॥स्वयंगनीधी

॥१०॥

जथारथलरखोनकाउनगंगे॥कवीनकोकल  
रथमलरखमापहे॥१॥मलखसोदस्यमापन  
मापसोमापभयो॥घटघटतयोनयोजयेएकुञ्ज  
पहे॥२॥बुक्सनीमेवुक्सजैसेकीटमेकीटहंगतेस्ते  
रखगहीमेरखगजैसेतेस्तेहीवीयापहे॥३॥देवमें  
देवतस्तुपेमनुरखमेमनुनुपं॥पशुमेयंकातप  
शुजेसुजेसोथापहे॥४॥उपाधीकेसंगमीली  
दीसतउपाधीरूप॥तेलकीतवाईमांहीचंदकु  
कपातापहे॥५॥जैसेकुपनीररकसीचततस्त  
मनेक॥स्वाद्जकेमीष्टमोलाकदुकरखटाप  
हे॥६॥तिसीहीचैतनव्यापसरव्यंगस्ताहंगया  
या कुवेरनइजोकोउगावतहीम्प्रापहे॥७॥  
उमंगछेद॥८॥तापदकेमध्यकीहर्दयामम  
सोग्यमकहेम्प्रापहीम्प्रापनी॥९॥कोडनहैत  
इजामतकीगत्या हेसतस्वयंगगीरव्यापनी  
च॥बुलहीलोद्यउठैतीध्यकीमध्ययुष्टीपया  
म्प्रजंपाज्ञापनी॥१०॥बांलीवचीत्रष्ठकारउचा  
रत॥स्वारथसंधस्तमेस्तापनी॥११॥जैघरथी  
उलस्तेवीलस्तेसुनितेस्तलकैवलनाव्यापन

यापनी॥५॥ कहतकुवेरस्तम्भुकोस्वेषरा नांक  
छुपक्षपरामापनी दा परीबोधमोरातकंदः  
इष॥ पश्चवादीसंस्कृदुवेदके वैवादकहुँ जाँ  
नगतीसरवेलहुँ बुधीकेपकासहे॥६॥ बीधी  
केवदंतचारु उचरतत्याकसास॥ पुरवपछ  
मदावैवावैसुखरासहे॥७॥ पुरवकेसुखरघुवे  
इहीबीधीतेकहो॥ त्यायसास्तरजाकेगोतं  
मल्लभ्यासहे॥८॥ इष्टनजनुरवेदसास्तरमी  
मांसाभत्ये॥ ताईकेआचारजयेसुनीसामा  
सहे॥९॥ पुष्ट्रं मवदेनसां मवेदहीबीनयेकर्म  
सास्तरवेदांतजाकेआचारजयासहे॥१०॥  
लोकरन्मथरजाकेसास्तरवीसेशीसां रव्य  
बीतीयोपातांजलीकेसेसमवीकाशहे॥११॥  
बीसेसीकेजांनदेवसांष्टकेकपीलमुनी  
कुवेरतीगंमधुनीबांतीकेदीलासहे॥१२॥  
उमंगष्टंदः॥१३॥ नीगंमंनीकुपंनरमेयंमहावा  
यक॥ वादशालक्षणतस्यप्रमेती॥१४॥ बांतीअनं  
तगिरायंवलोयंसुविंयंसकारंसहीतंकये  
ती॥१५॥ लेयंतेयंजौन्माजसद्वेयंदशश्रवरांमी  
तायंयारायंयायंती॥१६॥ कहंतंतेयंमंस्तुनं  
तंस्त्रवेयंजांतंगमेयंजैयंबुध्यजेती॥१७॥ सद्

चीदन्नातंदस्महंबुद्धमसीये॥रघुयेजन्मुरेस्मात्  
 यंवदेत्ती॥५॥तसोतदसीयंस्यायेष्महोनीरस्मिते  
 यं॥स्यात्मप्रथेयेयंसांस्येलक्षणती॥६॥भन्येए  
 चतुष्मधोशब्दसुष्टुकवेरतदपरंतंकहीतंग  
 न्यिती॥७॥परीबोधसोरालकंदः॥८॥कहेजोमा  
 हावायकवीयकेसुनेत्यायका।भीतबतावुसा  
 हकवैदेव्योवीचारेहे॥९॥पथंमहीरघुवेद।सद  
 चीदन्नातंदसिद्॥सकलवीधीतंवदपरयत  
 धाक्षेहे॥१०॥सदसोतोबीजसर्वचीदसोही  
 रुपग्रन्था॥सानंदस्सकुरेगुंतवीश्वकुवीक्षा  
 रेहे॥११॥स्महंसोतोक्रतान्नापसाधीवतबुद्ध  
 व्यापक्षसमीक्षमापयापजन्मुरुडचारेहे॥१२॥  
 तंससोतोजीवसदन्नापयरसांनीरदातद  
 ईश्वरकीयाकरेष्मसीक्षवीकारेहे॥१३॥स्यंस  
 न्नातमाजंसम्महोकोहुक्रतामस॥तीर्मखलिनि  
 योसंसम्युरपोकारेहे॥१४॥तीर्मकीनीज  
 म्यंसकहीलहीहुतीतंस॥कवेरकेवलसोतो  
 याहीहुतेत्यारेहे॥१५॥उमंगछंदा॥१६॥कुनक  
 उसोमाहायसकेपसनांदक्षबादुनसंहीजो  
 अावत॥१७॥बलवीव्यक्तरहीतरहसोजंस॥हेसंस  
 सोनांकोहुकेपरवावत॥१८॥कोटीबुद्धांडरहो

वीवीधीवीध॥**अंसरम्प्रायेभ्रान्तलहावत**  
 ३॥**अंसरातीतभ्रवीगत्यहेमत**॥**दिहगस्यसे**  
 गतीकोहोकुनयावत॥**धा**बुलांडकोटी**भ्रान्त**  
 तुलमज्यातही॥**म्प्रायंडकीपुनीकुनचलावत**  
 पा॥**याहल्लथाहकोकोउनभ्रावत**॥**कुवेरके**  
 यलसोहीकहावत॥**द**॥**परीबोधमोरात्केदधर**  
 मसरभ्रन्तकरमलगेनांपदपरम॥**दरखेसो**  
 गुनधरममायाहुकेक्रतहे॥**र**॥**वीसन्तवुलस**  
 साकुवीशतवुकहतसुहा॥**नीजनांमकेनल**  
 हुलस्यणरहीतहे॥**प**॥**ताहीकेसहस्रनांमरहे**  
 सरहेकीयेकांस॥**फेलेजसदेशगांमलषील**  
 पीषत्यहे॥**उ**॥**भ्रकुलभ्रकुपरुषसेतोपदचा**  
 पचुप॥**यरवीताकीहासउपजीवत्त्वांभ्रारतहे**  
 धा॥**भ्रायपुरसभ्रेखारुपहुनांस्यरेषां**॥**ईश्व**  
 रभ्रतंतभेषाभ्रजाहभ्रावतहे॥**प**॥**भ्राहकय**  
 हुलभ्रहेकोहुबंनवाहीपद॥**ए**यनीयहेहारह  
 भ्रारतीसांरुतहे॥**द**॥**पठेनगुननश्रुतीनुती**  
 ज्योत्योक्रताक्रत॥**कुवेरकेवलपदभ्रकथभ्र**  
 क्रतहे॥**उ**॥**उमंगघंदः**॥**ध**॥**केवलमंचीदेनेभ्र**  
 येनांवयनं॥**दी**गेनंत्सघुयेभ्रमोहंभ्रसस्तु॥**१**  
 नीशलेनाशयरुंभ्रहंभ्रयेनयेतीनेभ्रयेन

कैव

उरुग्येपरंतु ॥१॥ जपेनंजपायेकायेनंमयाये  
मनातीमगोयेस्वयेनंमस्मस्तु ॥२॥ जांहाने  
धाहाताध्येयेनंबीष्टदे ॥ वीत्वैज्ञेकशेतीवीवै  
तदस्तु ॥३॥ वीधीवैवेदंतंस्त्वेत्येनचंते ॥४॥  
तीस्त्रातेज्ञायप्रतंतु ॥५॥ स्त्रघादंबोहोधं  
लहेज्ञेनमाहादे ॥ कुवेरेतेयेमेस्त्रमासीनम  
स्तु ॥६॥ पर्शबोधमोगलकंद ॥७॥ इतीश्ची  
कैवल्यवीत्यासगंथसंसुर्गः ॥